# SSC CHSL 2022

## HISTORY

# मौर्योत्तर काल

- हिन्द–यवन
- शक
- कुषाण
- शुंग
- कण्व
- सातवाहन

LIVE | 06:30 PM

BY ASHUTOSH MAHENDRAS

# SSC CHSL 2022-23

H/w Q. बिन्दुसार ने विद्रोहियों को कुचलने के लिए अशोक को कहाँ भेजा था ?

Where did Bindusara send Ashoka to crush the rebels?

A. स्वर्णगिरि /Swarnagiri

B. तक्षशिला /Takshshila

C. उज्जैन /Ujjain

D. वैशाली /Vaishali

**ArPiTa SiNgH**🦋🦋 22 hours ago
"तक्षशिला" 😌
1 Reply
1 reply

Arihant Jain 19 hours ago
Sir GK k notes
banana better h ya pdf sa read karna

sir samaj nhi aa raha please reply
1 Reply
1 reply

Chitrasen Yadav 21 hours ago
B answer sir ashok aarambh me kitn lion hain
1 Reply
1 reply

ROHIT GOND 22 hours ago
TAKSHASHILA
1 Reply
1 reply

Nirbhay Kumar 22 hours ago
Takshashila
1 Reply
1 reply

CHHAVI SAXENA 💯💯 22 hours ago
Home work answer is takshshila
1 Reply
1 reply

tiwari parul.👑👑 20 hours ago
B.takshashila
1 Reply
1 reply

Zikra Yasmeen 19 hours ago
Option B
1 Reply
1 reply

Bhawna Keshri 2 hours ago
Takshsila will be the answer.
1 Reply
1 reply

mr. dileepkumar 22 hours ago
Takshshila
1 Reply
1 reply

amit singh BABUAAN 22 hours ago
takshshila
1 Reply
1 reply

Surbhi Sinha 22 hours ago
Takshila
1 Reply
1 reply

Suruchi Jha 22 hours ago
Bb
1 Reply
1 reply

Soniya Saha 22 hours ago
Takshshila is the right answer
1 Reply
1 reply

RUBI KUMARI 22 hours ago
Takshshila
1 Reply
1 reply

Manojit 22 hours ago
Takshila
1 Reply
1 reply

Farooqui..... 22 hours ago
Takshshila
1 Reply
1 reply

Lost girl 19 hours ago
Takshshila
2 Reply
1 reply

# उत्तर मौर्य युग

# Post Mauryan Age

# मगध साम्राज्य

# Magadha Empire

- ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार मगध पर कुल 7 राजवंशो का शासन रहा।
- According to historical evidences, Magadha was ruled by a total of 7 dynasties:

# मगध साम्राज्य
# Magadha Empire

- हर्यंक वंश /Haryanka dynasty
- शिशुनाग वंश /Shishunaga dynasty
- नंद वंश /Nanda dynasty
- मौर्य वंश /Maurya Dynasty
- शुंग वंश /Shunga Dynasty
- कण्व वंश/ Kanva dynasty
- सातवाहन वंश /Satavahana dynasty

# SSC CHSL 2022-23

## मौर्योत्तर काल

## Post-Maurya Period

# मौर्योत्तर काल

# Post-Maurya Period

- मौर्य साम्राज्य का अंत होने के बाद अब मगध की राजनीतिक एकता छिन्न-भिन्न होने लगी। भारत के उत्तरी पश्चिमी घाट पर अनेक विदेशी आक्रमणकारियों ने आक्रमण करके अनेक स्थानों पर अलग अलग राज्य की स्थापना करने लगे। दक्षिण भारत में भी कई सामंतों ने अपने स्वतंत्र राज्य की घोषणा कर दी । इस प्रकार पूरा का पूरा जो मगध साम्राज्य जो पहले था वो बिखर गया ।
- After the end of the Maurya Empire, the political unity of Magadha began to break apart. Many foreign invaders attacked the North Western Ghats of India and started establishing separate kingdoms at many places. In South India also many feudatories declared their independent state. In this way the entire Magadha Empire which was earlier was scattered.

## शुंग वंश Shunga dynasty

### पुष्यमित्र शुंग/ Pushyamitra Shunga

- शुंग वंश का संस्थापक पुष्यमित्र शुंग था। यह मौर्य साम्राज्य के अंतिम शासक बृहद्रथ का सेनापति था। इसने बृहद्रथ की हत्या कर दी और उसके बाद मौर्य वंश के स्थान पर शुंग वंश की स्थापना कर दी। यह प्रथम ब्राह्मण राजवंश है जिसने मगध पर पहली बार प्रशासन किया।
- The founder of Shunga dynasty was Pushyamitra Shunga. He was the commander of Brihadratha, the last ruler of the Maurya Empire. He killed Brihadratha and after that established the Sunga dynasty in place of the Maurya dynasty. This is the first Brahmin dynasty which administered Magadha for the first time.

## पुष्यमित्र शुंग/ Pushyamitra Shunga

**शुंग वंश**
**Shunga dynasty**

- इसने अपनी राजधानी विदिशा (MP) को बनाया।
- It made its capital Vidisha (MP).
- बौद्ध ग्रंथों में पुष्यमित्र शुंग को बौद्ध द्रोही कहा जाता है क्योंकि इसने अपने शासनकाल में बहुत से बौद्ध स्तूपों को नष्ट करवाया था।
- In Buddhist texts Pushyamitra Shunga is called a Buddhist anti-Buddhist because he destroyed many Buddhist stupas during his reign.

## शुंग वंश

## Shunga dynasty

- इतिहासकारों का मानना है कि पुष्यमित्र शुंग ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म की महानता को समझा और और उसने बाद में कई स्तूपों का पुनर्निर्माण करवाया। जिसमें से मध्य प्रदेश का भरहुत स्तूप का पुनर्निर्माण भी पुष्यमित्र शुंग ने करवाया जो कि पहले लकड़ी का बना हुआ था इसने इसको पत्थर का करवाया।
- Historians believe that Pushyamitra Shunga understood the greatness of Buddhism in the last days of his life and he later rebuilt many stupas. Out of which the Bharhut Stupa of Madhya Pradesh was also rebuilt by Pushyamitra Shunga, which was earlier made of wood, he got it made of stone.
- पुष्यमित्र शुंग ने दो अश्वमेध यज्ञ करवाया जिसके पुरोहित पतंजलि थे।
- Pushyamitra Shunga performed two Ashwamedha Yagyas, whose priest was Patanjali.

## शुंग वंश Shunga dynasty

- इस समय बौद्ध पुस्तक जातक ग्रंथ की रचना हुई, पतंजलि ने महाभाष्य लिखा, पाणिनि ने अष्टाध्यायी लिखा और मनु ने मनुस्मृति लिखी।
- During this time the Buddhist book Jataka Granth was composed, Patanjali wrote Mahabhashya, Panini wrote Ashtadhyayi and Manu wrote Manusmriti.
- इसके समय दो यवन (विदेशी) आक्रमण हुए। दोनों ही यवन आक्रमण में पुष्यमित्र शुंग की विजय हुई।
- There were two Yavana (foreign) invasions during this time. Pushyamitra Shunga was victorious in both the Yavana invasions.
- पहले आक्रमण का नेतृत्व डेमेट्रियस ने किया दूसरे आक्रमण का नेतृत्व में मिनांडर (मिलिंद) ने किया।
- The first attack was led by Demetrius, the second attack was led by Minander (Milind).

## शुंग वंश Shunga dynasty

- मिनांडर ने बौद्ध भिक्षुक नागसेन से बौद्ध धर्म की शिक्षा ली और उसने बौद्ध धर्म अपना लिया।
- Minander learned Buddhism from the Buddhist monk Nagasena and he converted to Buddhism.
- पुष्यमित्र शुंग ने कलिंग नरेश खारवेल से भी युद्ध किया परंतु खारवेल ने इसे पराजित कर दिया।
- Pushyamitra Shunga also fought with the Kalinga king Kharavela but Kharavela defeated it.
- पुष्यमित्र की मृत्यु के बाद इसका पुत्र अग्निमित्र इसका उत्तराधिकारी बना।
- After the death of Pushyamitra, his son Agnimitra succeeded him.

# शुंग वंश
# Shunga dynasty

- कालिदास की रचना मालविकाग्निमित्रम् में विदिशा के राजा अग्निमित्र और मालवदेश की राजकुमारी मालविका के प्रेम प्रसंग की चर्चा है।
- Kalidasa's work Malavikagnimitram discusses the love affair of King Agnimitra of Vidisha and Malavika, the princess of Malavadesh.
- इस वंश का अंतिम शासक देवभूति हुआ जिसकी हत्या उसी के मंत्री वासुदेव ने कर दी और कण्व वंश की स्थापना कर दी।
- The last ruler of this dynasty was Devabhuti, who was murdered by his minister Vasudev and established the Kanva dynasty.

## सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- कण्व वंश का अंतिम शासक सुशर्मा था जिसकी हत्या उसके मंत्री सिमुक ने कर दी और उसके बाद सातवाहन वंश की स्थापना कर दी |
- प्रारंभ में यह वंश महाराष्ट्र के क्षेत्र में था किंतु शक राजाओं ने उन्हें महाराष्ट्र छोड़ने पर विवश कर दिया और | सातवाहन वंश को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित होना पड़ा जिस कारण इन्हें आंध्र सातवाहन भी कहते हैं |
- The last ruler of the Kanva dynasty was Susharma, who was assassinated by his minister Simuk and after that the Satavahana dynasty was established.
- Initially this dynasty was in the area of Maharashtra, but the Shaka kings forced them to leave Maharashtra and The Satavahana dynasty had to migrate to Andhra Pradesh, due to which they are also called Andhra Satavahanas.

## सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- सातवाहन की राजधानी महाराष्ट्र का प्रतिष्ठान थी|
- सिमुक की मृत्यु के बाद उसका छोटा भाई कृष्णा / कान्हा शासक बना और कान्हा के बाद इसका पुत्र शातकर्णि प्रथम शासक बना|
- The capital of the Satavahanas was the Pratisthan of Maharashtra.
- After the death of Simuk, his younger brother Krishna / Kanha became the ruler and after Kanha his son Shatakarni became the first ruler.

## शातकर्णी प्रथम / Shatkarni I

# सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- यह सातवाहन वंश का पहला महत्वपूर्ण शासक था |
- He was the first important ruler of the Satavahana dynasty.
- शातकर्णी प्रथम की पत्नी नागनिका का नानाघाट अभिलेख प्राप्त होता है इसमें शातकर्णी प्रथम की उपलब्धियां बताई गयी हैं |
- The Nanaghat inscription of Nagnika, wife of Shatkarni I, is found, in which the achievements of Shatkarni I have been told.

# शातकर्णी प्रथम / Shatkarni I

## सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- नानाघाट अभिलेख में ही शातकर्णी प्रथम को महान विजेता व महान शासक बताया गया है | नानाघाट अभिलेख में उल्लेख मिलता है कि शातकर्णी ने यज्ञ के उपलक्ष में ब्राह्मणों को मुद्रा के स्थान पर भूमि दान देना शुरू किया और यह भूमि दान का प्रथम अभिलेख के प्रमाण है |
- In the Nanaghat inscription itself, Shatkarni I has been described as a great conqueror and a great ruler. It is mentioned in the Nanaghat inscription that Shatakarni started donating land to Brahmins in place of currency on the occasion of Yagya and this is the evidence of the first record of land donation.

# हाल/ Hal

## सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- सातवाहन वंश में हाल महानतम् शासक था। वह एक बड़ा कवि तथा कवियों एवं विद्वानों का आश्रयदाता था। हाल ने 'गाथासप्तशती' नामक एक काव्य की रचना की थी। इसकी भाषा 'प्राकृत' है।
- Hal was the greatest ruler in the Satavahana dynasty. He was a great poet and patron of poets and scholars. Hall had composed a poem called 'Gathasaptasati'. Its language is 'Prakrit'.

## गौतमीपुत्र शातकर्णि/Gautamiputra Satakarni

# सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- सातवाहन वंश का अगला महत्वपूर्ण शासक गौतमीपुत्र शातकर्णि था | इसके समय नासिक के शक शासक नहपान ने इस पर आक्रमण कर दिया किंतु गौतमीपुत्र शातकर्णि ने उसे पराजित कर दिया |
- The next important ruler of the Satavahana dynasty was Gautamiputra Satakarni. During this time Nahapana, the Shaka ruler Nashik attacked it but Gautamiputra Shatakarni defeated him.

## यज्ञश्री शातकर्णी/Yagyashri Shatkarni

सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- यज्ञ श्री शातकर्णी सातवाहन वंश का अंतिम महत्वपूर्ण राजा था। उसने शकों के विजित क्षेत्र पर पुनः अधिकार कर लिया।
- यज्ञश्री शातकर्णी व्यापार एवं जलयात्रा का प्रेमी था। उसके सिक्कों पर जहाज के चित्र बने हुए हैं, जिससे उसकी जलयात्रा एवं व्यापार का पता चलता है।
- Yagya Sri Shatakarni was the last important king of the Satavahana dynasty. He recaptured the area conquered by the Shakas.
- Yagyasree Shatkarni was a lover of business and sailing. There are pictures of ships on his coins, which shows his voyage and trade.

# सातवाहन वंश / Satavahana Dynasty

- उसके सिक्के आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं गुजरात से प्राप्त हुए हैं।
- यज्ञश्री के मृत्यु के बाद सातवाहनों का साम्राज्य विभाजित हो गया, जिसका मुख्य कारण विद्रोह एवं केन्द्रीय शासन की दुर्बलता थी।
- सातवाहन वंश के शासकों द्वारा चाँदी, तांबा, पोटीन(घटिया चांदी) और सीसे के सिक्के जारी किये गए।
- His coins have been received from Andhra Pradesh, Maharashtra, Madhya Pradesh and Gujarat.
- After the death of Yajnasree, the Satavahana empire was divided, mainly due to rebellion and the weakness of the central government.
- Coins of silver, copper, poteen and lead were issued by the rulers of the Satavahana dynasty.

# मौर्योत्तर काल में विदेशी आक्रमण/

# Foreign Invasions in the Post-Mauryan period

- मौर्य काल के पतन के बाद मगध छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट गया और कोई भी योग्य शासक नहीं रहा। जिस कारण भारत पर विदेशी आक्रमणकारियों ने हमला किया।
- After the decline of the Maurya period, Magadha was divided into small pieces and there was no qualified ruler. Due to which foreign invaders attacked India.
- मौर्योत्तर काल में भारत पर 4 विदेशी आक्रमण हो गए, जो कि निम्नलिखित हैं :
- There were 4 foreign invasions on India during the Post-Mauryan period, which are as follows:

मौर्योत्तर काल में विदेशी आक्रमण/ Foreign Invasions in the Post-Mauryan period

विदेशी आक्रमण

| | | |
|---|---|---|
| I | - | इंडो ग्रीक /Indo Greek |
| S | - | शक वंश /Saka dynasty |
| P | - | पहलव वंश /Pahlava dynasty |
| K | - | कुषाण वंश /Kushan dynasty |

# SSC CHSL 2022-23

## शक आक्रमण / Shak Invasion

- यूनानियों के बाद मध्य एशिया के शकों ने भारत पर आक्रमण किया।
- After the Greeks, the Shakas of Central Asia attacked India.
- शक राजाओं को क्षत्रप कहा जाता था।
- The Shaka kings were called Kshatrapas.
- यह भारत भारत में आकर 5 जगहों में बसे थे।
- This India came to India and settled in 5 places.

1. कांधार /Kandahar
2. तक्षशिला /Takshshila
3. मथुरा /Mathura
4. उज्जैन /Ujjain
5. नासिक /Nashik

## मथुरा में शक शासक /Saka rulers of Mathura

**शक आक्रमण / Shak Invasion**

- 57 ईसा पूर्व उज्जैन के एक स्थानीय राजा ने मथुरा के शक शासक को पराजित कर दिया और विक्रमादित्य की उपाधि धारण की। इसी के उपलक्ष्य में उसने 57 ईसा पूर्व विक्रम संवत नामक कैलेंडर की शुरुआत की।
- In 57 BC a local king of Ujjain defeated the Shaka ruler of Mathura and assumed the title Vikramaditya. To commemorate this he started the calendar named Vikram Samvat in 57 BC.

## नासिक के शक शासक /Saka rulers of Nashik

**शक आक्रमण / Shak Invasion**

- इस शाखा का सबसे प्रसिद्ध शासक नहपान था।
- The most famous ruler of this branch was Nahapana.
- नहपान ने सातवाहनों से महाराष्ट्र में एक बड़ा भू-भाग छीना था। परंतु सातवाहन शासक गौतमीपुत्र शातकर्णि ने इसे पराजित कर दिया था जिसका प्रमाण हमें नासिक के "जोगलथंबी" से मिले सिक्कों से पता चला है।
- Nahapana had snatched a large part of Maharashtra from the Satavahanas. But it was defeated by the Satavahana ruler Gautamiputra Satakarni, the evidence of which we have come to know from the coins found from "Jogalthambi" of Nasik.

## उज्जैन के शक शासक /Saka rulers of Ujjain

**शक आक्रमण**

**Shak Invasion**

- सबसे प्रतापी शक शासक उज्जैन का रुद्रदामन था।
- The most illustrious Shaka ruler was Rudradaman of Ujjain.
- रुद्रदामन की उपलब्धियों का वर्णन गुजरात के जूनागढ़ अभिलेख से मिला है जो कि संस्कृत भाषा में लिखा गया प्रथम अभिलेख है। इसी अभिलेख से हमें पता चला है कि गुजरात के सौराष्ट्र में सुदर्शन झील को चंद्रगुप्त मौर्य ने बनवाया था जिसका पुनर्निर्माण रुद्रदामन ने करवाया था।
- The description of the achievements of Rudradaman has been found from the Junagadh inscription of Gujarat, which is the first inscription written in Sanskrit language. From this inscription we have come to know that Sudarshan Lake in Saurashtra, Gujarat was built by Chandragupta Maurya, which was rebuilt by Rudradaman.

## उज्जैन के शक शासक /Saka rulers of Ujjain

**शक आक्रमण / Shak Invasion**

- इस वंश का अंतिम शासक रुद्रसिंह तृतीय था जिसे गुप्त शासक चंद्रगुप्त द्वितीय ने पराजित कर दिया और विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।
- The last ruler of this dynasty was Rudra Singh III who was defeated by the Gupta ruler Chandragupta II and assumed the title of Vikramaditya.

# कुषाण वंश
# Kushan dynasty

- कुषाण मध्य एशिया में पश्चिमी चीन के यूची जाति के थे। लगभग 165 ई. पू. में पश्चिम चीन से खदेड़े जाने के बाद उनकी एक शाखा अफगानिस्तान (बैक्ट्रिया) चली गई, जबकि दूसरी शाखा तिब्बत आ गई। इसी दूसरी शाखा ने भारत पर आक्रमण किया |
- The Kushans belonged to the Yuchi Race of western China in Central Asia. Around 165 BC After being expelled from West China, one of their branches went to Afghanistan (Bactria), while the other branch came to Tibet. This second branch attacked India.
- कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कैडफिसस था |
- The founder of the Kushan dynasty was Kujul Cadphisus.

# SSC CHSL 2022-23

## कुषाण वंश
## Kushan dynasty

- इसके बाद अगला शासक विम कैडफिसस बना, इसे कुषाण वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है | इसने भारत के गांधार पंजाब व मथुरा क्षेत्रों पर आक्रमण करके उसे अपने अधिकार में लिया |
- After this, Vim Cadphisus became the next ruler, it is considered the real founder of the Kushan dynasty. It invaded Gandhara, Punjab and Mathura regions of India and took it under its control.
- यह शैव धर्म को मानता था | इसने तांबे के मुद्रा में एक तरफ शिव, नंदी व त्रिशूल तथा दूसरी तरफ महेश्वरा: शब्द अंकित करवाया था |
- It believed in Shaivism. It had inscribed the words Shiva, Nandiv Trishul on one side and Maheshwara on the other side in copper currency.

## कुषाण वंश-कनिष्क

## Kushan Dynasty – Kanishka (78 – 102 A.D.)

- कनिष्क सर्वाधिक प्रसिद्ध कुषाण शासक था।
- कनिष्क ने 78 ई. में अपना राज्याभिषेक करवाया इसी उपलक्ष्य में कनिष्क द्वारा शक संवत् का आरंभ हुआ।
- कनिष्क की राजधानी पुरूषपुर (पेशावर) थी।
- Kanishka was the most famous Kushan ruler.
- Kanishka got his coronation done in 78 AD, on this occasion the Shaka era started by Kanishka.
- Kanishka's capital was Purushapur (Peshawar).

## कुषाण वंश-कनिष्क

## Kushan Dynasty – Kanishka (78 – 102 A.D.)

- कनिष्क के समय कश्मीर के कुण्डलवन में चौथी बौद्ध संगीति हुई थी। इसी के समय बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान शाखा में बंट गया था। कनिष्क बौद्ध धर्म की महायान शाखा का अनुयायी था।
- At the time of Kanishka, the fourth Buddhist council was held in Kundalavan, Kashmir. During this time Buddhism was divided into Hinayana and Mahayana branches. Kanishka was a follower of the Mahayana branch of Buddhism.

## कुषाण वंश-कनिष्क

## Kushan Dynasty – Kanishka

## (78 – 102 A.D.)

- कनिष्क के समय में मथुरा कला एवं गांधार कला का जन्म हुआ।
- सर्वाधिक शुद्ध सोने के सिक्के कनिष्क के शासन काल में जारी किए गए क्योंकि उस समय हिंदूकुश पर्वत के पास सोने की खानों का पता चला था।
- Mathura art and Gandhara art were born during the time of Kanishka.
- The purest gold coins were issued during the reign of Kanishka as gold mines were discovered near the Hindukush Mountains at that time.

कनिष्क के दरबार के विद्वान/
Scholars in the Court of Kanishka

- उनके दरबार के विद्वानों में पार्श्व, अश्वघोष, वसुमित्र, नागार्जुन, चरक शामिल थे।
- The scholars in his court included Parsva, Ashvaghosha, Vasumitra, Nagarjuna, Charaka.
- कनिष्क का राजकवि अश्वघोष था, अश्वघोष ने "बुद्धचरित' लिखा।
- Kanishka's Court poet was Ashvaghosha, Ashvaghosha wrote "Buddhacharita".
- नागार्जुन एक बौद्ध अचार्य थे इन्होंने "शून्यवाद दर्शन" का प्रतिपादन किया । इन्हें भारत का आइंस्टीन भी कहा जाता है।
- Nagarjuna was a Buddhist Acharya, he propounded the “Nihilism Philosophy", he is also called Einstein of India.

कनिष्क के दरबार के विद्वान/
Scholars in the Court of Kanishka

- वसुमित्र भी एक बौद्ध आचार्य थे इन्होंने "महाविभाषाशास्त्र' नामक ग्रंथ की रचना की।
- Vasumitra was also a Buddhist teacher, he composed a book called "Mahavibhashashastra".
- चरक एक आयुर्वेदाचार्य थे इन्होंने चरक संहिता नामक चिकित्सा ग्रंथ की रचना की।
- Charak was an Ayurvedacharya who wrote a medical treatise named Charaka Samhita.

कुषाण वंश

Kushan dynasty/

रेशम मार्ग

(Silk route )

- यह चीन के रेशम व्यापार को यूरोप, ईरान तथा मध्य एशिया से जोड़ता था।
- It connected China's silk trade with Europe, Iran and Central Asia..
- इस मार्ग का दक्षिणी भाग हिंद महासागर से गुजरता था तथा उत्तरी मार्ग कश्मीर तथा हिंदूकुश पर्वत को पार करके गुजरता था।
- The southern part of this route passed through the Indian Ocean and the northern route passed through Kashmir and Hindukush mountains.
- कनिष्क ने रेशम मार्ग पर अधिकार कर लिया था तथा रेशम मार्ग के होने वाले व्यापार पर कनिष्क कर वसूलता था जो कि उसकी अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा स्रोत था।
- Kanishka had taken control of the silk route and Kanishka used to collect taxes on the trade on the silk route, which was the biggest source of his economy.

# Ancient Silk Route

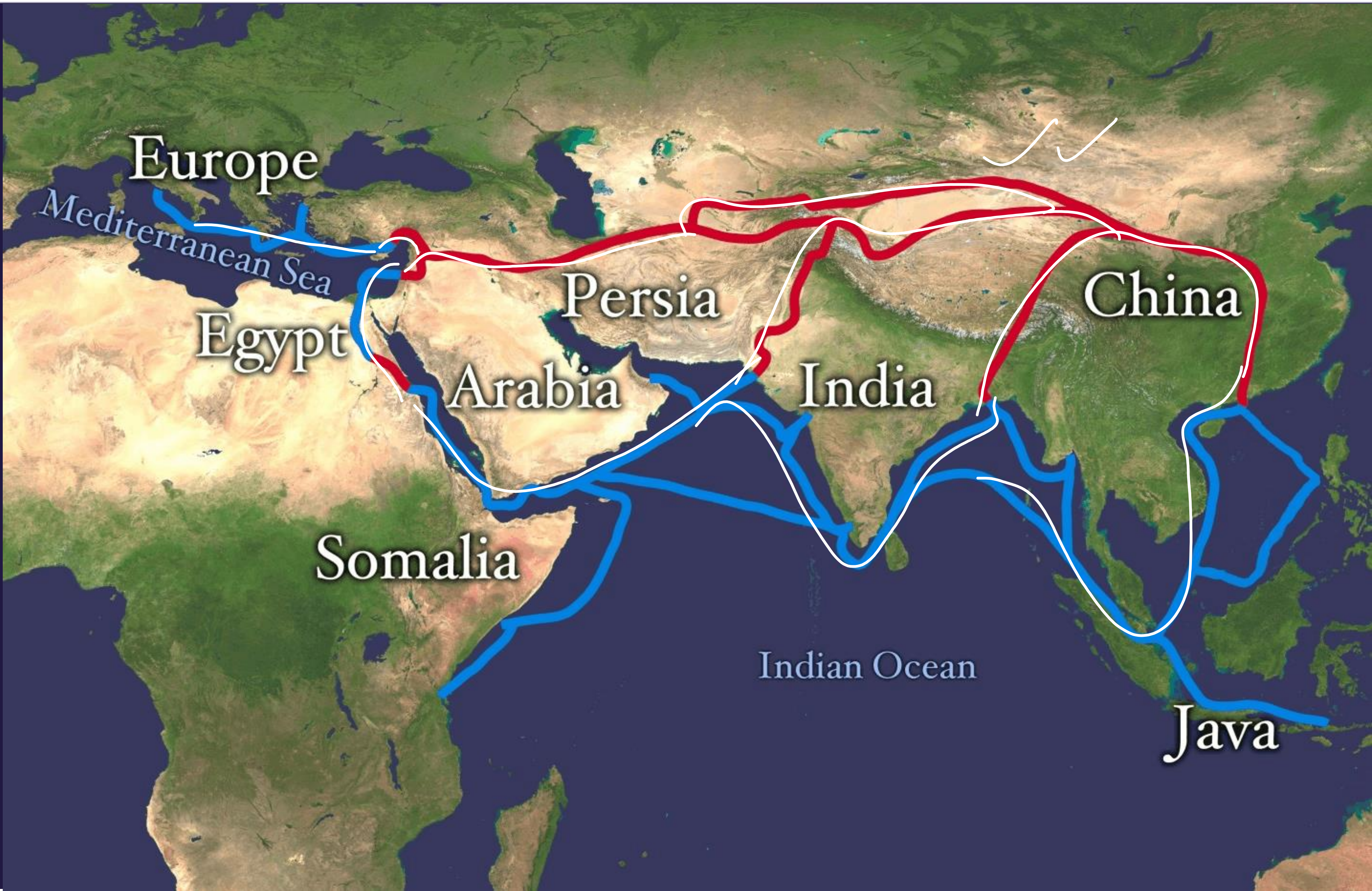

## कुषाण वंश
## Kushan dynasty/
## रेशम मार्ग
## (Silk route )

- कनिष्क की मृत्यु के बाद उसके उत्तराधिकारी योग्य नहीं थे जिस कारण इसके छोटे-छोटे सामंत अलग होने लगे इस वंश के अंतिम शासक के रूप में वासुदेव की चर्चा मिलती है इसी वंश के सामंतों ने आगे चलकर गुप्त वंश की स्थापना कर दी।
- After the death of Kanishka, his successors were not eligible, due to which its small feudatories started separating, there is a discussion of Vasudeva as the last ruler of this dynasty, the feudatories of this dynasty later established the Gupta dynasty.

# IMPORTANT MCQs

Q.1 सातवाहन राज्य की राजधानी कहाँ थी?

Where was the capital of the Satavahana kingdom?

A. औरंगाबाद /Aurangabad

B. प्रतिष्ठान /Pratisthan

C. मथुरा /Mathura

D. इनमें से कोई नहीं /None of these

Q.2 शुंग वंश के बाद किस वंश ने भारत पर राज किया ?

Which dynasty ruled India after the Shunga dynasty?

A. सातवाहन/ Satvahana

B. कुषाण/Kushan

C. कण्व/ Kanva

D. गुप्त /Gupta

Q.3 अष्टाध्यायी किसकी रचना है ?

Whose composition is Ashtadhyayi?

A. पतंजलि /Patanjali

B. तुलसीदास /Tulsidas

C. मनु /Manu

D. पाणिनि /Panini

# SSC CHSL 2022-23

Q.4 प्राचीन काल में कलिंग का महान शासक कौन था ?

Who was the great ruler of Kalinga in ancient times?

A. अजातशत्रु /Ajatshatru

B. बिन्दुसार /Bindusara

C. खारवेल /Kharavel

D. मयूर शर्मन /Mayur Sherman

Q.5 प्राचीन भारत का महान् वैयाकरण पतंजलि किसका समकालीन था?

The great grammarian of ancient India was a contemporary of Patanjali?

A. कनिष्क /Kanishk

B. चन्द्रगुप्त /Chandragupta

C. गौतमीपुत्र शातकर्णी /Gautamiputra satakarni

D. पुष्यमित्र शुंग /Pushyamitra Shung

Q.6 तक्षशिला विश्वविद्यालय कहां स्थित था ?

Where was Takshashila University located?

A. पाकिस्तान में/ in Pakistan

B. भारत में /in India

C. बांगलादेश में/ in Bangladesh

D. बर्मा में /in Burma

Q.7 भारत में स्वर्ण मुद्राओं को नियमित और पूर्णरूप से किसने चलाई ?

Who introduced gold coins regularly and completely in India?

A. कुषाण /Kushan

B. इण्डो-बैक्ट्रियन /Indo-Bactrian

C. शक /Shaka

D. गुप्त /Gupta

- भारत में स्वर्ण मुद्राओं का प्रचलन इंडो-यवन राजाओं  ने कराया किन्तु इन्हें नियमित और पूर्ण रूप से चलाने का श्रेय कुषाणों को दिया जाता है
- In India, gold coins were introduced by the Indo-Bactrian kings, but the credit of running them regularly and completely is given to the Kushanas.

Q.8 निम्नलिखित में से कनिष्क के समकालीन कौन थे ?

Who among the following was the contemporary of Kanishka?

A. कंबन, बाणभट्ट, अश्वघोष /Kamban, Banabhatta, Ashvaghosha

B. नागार्जुन, अश्वघोष, वसुमित्र/Nagarjuna, Asvaghosha, Vasumitra

C. अश्वघोष, कालिदास, बाणभट्ट /Ashvaghosha, Kalidasa, Banabhatta

D. कालिदास, कंबन, वसुमित्र /Kalidas, Kamban, Vasumitra

Q.9 पुरुषपुर निम्नलिखित में से किसका दूसरा नाम है ?

Purushpur is another name of which of the following?

A. पटना /Patna

B. पाटलिपुत्र /Patliputra

C. पेशावर /Peshawar

D. पंजाब /Panjab

Q.10 शक संवत् का प्रारंभ किस सम्राट् के शासनकाल में 78 ई० से हुआ था ?

The Shaka Samvat started from 78 AD during the reign of which emperor?

A. अशोक/Ashoka

B. कनिष्क /Kanishk

C. हर्ष /Harsh

D. समुद्रगुप्त /Samudragupta